



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 27-2025] CHANDIGARH, TUESDAY, JULY 8, 2025 (ASADHA 17, 1947 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

वित्त विभाग

अधिसूचना

दिनांक 2 जुलाई, 2025

संख्या 1/23/2024-1 पेंशन.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, अधिसूचना संख्या 1/1/2004-1 पेंशन, दिनांक 28 अक्टूबर, 2005 तथा अधिसूचना संख्या 1/1/2004-1 पेंशन, दिनांक 18 अगस्त, 2008 के अनुसार, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन आने वाले हरियाणा सरकार के कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अधीन एक विकल्प के रूप में एकीकृत पेंशन स्कीम (यूपीएस) के लाभ की अनुमति देते हैं, अर्थात्:—

2. एकीकृत पेंशन स्कीम हरियाणा सरकार के ऐसे कर्मचारियों पर लागू होगी, जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन आते हैं और जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन इस विकल्प को चुनते हैं। इसकी निम्नलिखित विशेषताएं होंगी, अर्थात्:—

स्कीम के अधीन पात्रता

- (i) सुनिश्चित भुगतान केवल निम्नलिखित मामलों में उपलब्ध होगा, अर्थात्:—

(क) दस वर्ष की अर्हक सेवा के पश्चात् अधिवर्षिता प्राप्त करने वाले किसी कर्मचारी के मामले में, अधिवर्षिता की तिथि से;

(ख) हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 के नियम 144 के उपबंधों के अधीन हरियाणा सरकार से सेवानिवृत्त होने वाले किसी कर्मचारी के मामले में, ऐसी सेवानिवृत्ति की तिथि से; और

- (ii) सेवा से हटाने या पदच्युत करने या कर्मचारी के त्यागपत्र के मामले में, सुनिश्चित भुगतान उपलब्ध नहीं होगा। ऐसे मामलों में, एकीकृत पेंशन स्कीम का विकल्प लागू नहीं होगा।

स्कीम के अधीन लाभ

- (iii) इस अधिसूचना में उल्लिखित अन्य शर्तों के अध्वधीन, स्कीम के अधीन सुनिश्चित भुगतान निम्नानुसार होगा, अर्थात्:—

(क) सम्पूर्ण सुनिश्चित भुगतान की दर, सेवानिवृत्ति से ठीक पहले के बारह मास के औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत होगी। सम्पूर्ण सुनिश्चित भुगतान, न्यूनतम पच्चीस वर्ष की अर्हक सेवा के पश्चात् भुगतानयोग्य है;

(ख) कम अर्हक सेवा अवधि के मामले में, आनुपातिक भुगतान स्वीकार्य होगा;

- (ग) अधिवर्षिता के मामले में, दस वर्ष या उससे अधिक की अर्हक सेवा के पश्चात्, 10,000/— रुपए प्रति मास का न्यूनतम गारंटीकृत भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा; और
- (iv) अधिवर्षिता के पश्चात् भुगतान धारक की मृत्यु के मामले में, उसकी मृत्यु से ठीक पहले भुगतान धारक को स्वीकार्य भुगतान के साठ प्रतिशत की दर पर पारिवारिक भुगतान, विधिक रूप से विवाहित पति या पत्नी को दिया जाएगा (अधिवर्षिता या हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 के नियम 144 के अधीन सेवानिवृत्ति, जो भी लागू हो, की तिथि को विधिक रूप से विवाहित पति या पत्नी)
- (v) महंगाई राहत, सुनिश्चित भुगतान और पारिवारिक भुगतान, जैसी भी स्थिति हो, पर उपलब्ध होगा। महंगाई राहत, उसी रीति में, संगणित की जाएगी जैसे सेवारत कर्मचारियों को महंगाई भत्ते लागू हों, महंगाई राहत, केवल भुगतान के प्रारम्भ होने पर ही भुगतानयोग्य होगी।
- (vi) अधिवर्षिता पर अर्हक सेवा के प्रत्येक पूर्ण छह मास के लिए मासिक परिलब्धियों (मूल वेतन + महंगाई भत्ता) का 10 प्रतिशत की दर से एकमुश्त भुगतान अनुमत होगा। यह एकमुश्त भुगतान सुनिश्चित भुगतान की मात्रा को प्रभावित नहीं करेगा।
- (vii) एकीकृत पेंशन स्कीम विकल्प के अधीन कॉर्पस, दो निधियों से मिलकर बनेगा, अर्थात्:—
- (क) कर्मचारी के अंशदान और हरियाणा सरकार के समरूप अंशदान सहित एक व्यक्तिगत कॉर्पस; और
- (ख) हरियाणा सरकार के अतिरिक्त अंशदान सहित एक पूल कॉर्पस।
- (viii) कर्मचारियों का अंशदान (मूल वेतन+ महंगाई भत्ता) का 10 प्रतिशत होगा। हरियाणा सरकार का समरूप अंशदान भी (मूल वेतन+ महंगाई भत्ता) का 10 प्रतिशत होगा। दोनों अंशदान प्रत्येक कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस में जमा किए जाएंगे।
- (ix) हरियाणा सरकार उन सभी कर्मचारियों के (मूल वेतन+ महंगाई भत्ता) का अनुमानित 8.5 प्रतिशत अतिरिक्त अंशदान प्रदान करेगी, जिन्होंने समग्र आधार पर पूल कॉर्पस के स्थान पर एकीकृत पेंशन स्कीम के विकल्प को चुना है। अतिरिक्त अंशदान एकीकृत पेंशन स्कीम विकल्प के अधीन सुनिश्चित भुगतान की सहायता के लिए है।
- (x) कर्मचारी केवल व्यक्तिगत कॉर्पस के लिए ही निवेश के विकल्पों को अपना सकते हैं। ऐसे निवेश विकल्पों को पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा विनियमित किया जाएगा। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा, समय-समय पर, निवेश का 'डिफॉल्ट पैटर्न' परिभाषित किया जा सकता है। यदि कोई कर्मचारी व्यक्तिगत कॉर्पस में निवेश के विकल्प का प्रयोग नहीं करता है, तो निवेश का 'डिफॉल्ट पैटर्न' लागू होगा।
- (xi) हरियाणा सरकार के अतिरिक्त अंशदान के माध्यम से निर्मित पूल कॉर्पस के लिए निवेश संबंधी निर्णय का पूरा अधिकार हरियाणा सरकार का होगा।
- (xii) उन कर्मचारियों के संबंध में, जो एकीकृत पेंशन स्कीम के परिचालन की तिथि से पूर्व सेवानिवृत्त हुए हैं और जो एकीकृत पेंशन स्कीम विकल्प को चुनते हैं, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण टॉप-अप राशि उपलब्ध कराने के लिए तंत्र का निर्धारण करेगा।

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजन हेतु मूल वेतन में निजी प्रैक्टिस के बदले में चिकित्सा अधिकारी को दिया गया गैर-व्यवसाय भत्ता शामिल है।

- एकीकृत पेंशन स्कीम के विकल्प के परिचालन में आने की प्रभावी तिथि को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन हरियाणा सरकार के विद्यमान कर्मचारियों के साथ-साथ हरियाणा सरकार के भावी कर्मचारी राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन या तो एकीकृत पेंशन स्कीम के विकल्प का चयन कर सकते हैं या एकीकृत पेंशन स्कीम के विकल्प के बिना राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में बने रह सकते हैं। यदि कोई कर्मचारी एकीकृत पेंशन स्कीम के विकल्प का चयन करता है, तो इसके सभी निर्धारण एवं शर्तों को अपनाया गया माना जाएगा और यह एक बार चुने जाने के बाद, अंतिम होगा।
- एक बार राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन आने वाले कर्मचारी, जो एकीकृत पेंशन स्कीम विकल्प के परिचालन की प्रभावी तिथि को सेवा में हैं, एकीकृत पेंशन स्कीम विकल्प का उपयोग **अनुबन्ध-II** के अनुसार करते हैं, तो कर्मचारी स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली कॉर्पस बकाया को एकीकृत पेंशन स्कीम के अधीन कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस में अंतरित कर दिया जाएगा।
- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन आने वाला प्रत्येक कर्मचारी, जिसने एकीकृत पेंशन स्कीम के विकल्प का प्रयोग किया है, के लिए ऐसी रीति, जो अवधारित की जाए, में पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा 'बेचमार्क कॉर्पस' मूल्य की गणना, निर्धारित तरीके से निम्नलिखित पूर्वानुमानों के साथ की जाएगी, अर्थात्:—

- (i) अर्हक सेवा के प्रत्येक मास के लिए कर्मचारियों और नियोक्ता दोनों के लिए लागू प्रयोज्य अंशदान की नियमित प्राप्ति;
 - (ii) अनुपलब्ध अंशदानों के मामले में, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जाने वाला उपयुक्त मूल्य, नियत किया जाएगा; और
 - (iii) ऐसे अंशदानों का निवेश, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा यथा परिभाषित निवेश के 'डिफॉल्ट पैटर्न' के अनुसार किया जाता है।
6. कर्मचारी के निवेश विकल्पों के साथ व्यक्तिगत कॉर्पस में मूल्य या इकाईयों को आवधिक आधार पर ऐसे कर्मचारी को सूचित किया जाएगा। इसके साथ-साथ, कर्मचारी के अनुरूप बेंचमार्क कॉर्पस मूल्य या इकाईयों, जिनकी गणना उपरोक्त पैरा 5 के अनुसार की गई है, को भी कर्मचारी को सूचित किया जाएगा।
 7. अधिवर्षिता या सेवानिवृत्ति पर एकीकृत पेंशन स्कीम विकल्प के अधीन कर्मचारी की अर्हक सेवा उस कार्यालय प्रमुख द्वारा निर्धारित की जाएगी, जहां वह कार्यरत है।
 8. अधिवर्षिता या सेवानिवृत्ति पर एकीकृत पेंशन स्कीम के अधीन कर्मचारी सुनिश्चित भुगतान के प्राधिकार के लिए बेंचमार्क कॉर्पस के मूल्य या इकाईयों के बराबर, पूल कॉर्पस में व्यक्तिगत कॉर्पस के मूल्य या इकाईयों को अंतरित करने के लिए प्राधिकृत करेगा। यदि व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य या इकाईयाँ, बेंचमार्क कॉर्पस के मूल्य या इकाईयों से कम है, तो कर्मचारी के पास इस अंतर को पूरा करने के लिए अतिरिक्त अंशदान करने की व्यवस्था करने का विकल्प होगा। यदि व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य या इकाईयाँ, बेंचमार्क कॉर्पस के मूल्य या इकाईयों से अधिक हैं, तो कर्मचारी बेंचमार्क कॉर्पस के बराबर मूल्य या इकाईयों के अंतरण को अधिकृत करेगा और व्यक्तिगत कॉर्पस में शेष राशि कर्मचारी को दी जाएगी।
 9. यदि कर्मचारी द्वारा व्यक्तिगत कॉर्पस से पूल कॉर्पस में अंतरित मूल्य या इकाई, बेंचमार्क कॉर्पस के मूल्य या इकाई से कम है, तो सुनिश्चित भुगतान के अनुपात में भुगतान अधिकृत किया जाएगा।
 10. एकीकृत पेंशन स्कीम, एक 'निधि-आधारित' पेंशन प्रणाली होने के नाते, कर्मचारियों को सुनिश्चित भुगतान प्रयोज्य अंशदान (कर्मचारी और नियोक्ता दोनों से) के नियमित और समय पर संचय और निवेश पर निर्भर करता है।
 11. सुस्पष्टता के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि कोई भी कर्मचारी, जिसने इस अधिसूचना के अधीन राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन एकीकृत पेंशन स्कीम के विकल्प का उपयोग किया है, वह सेवानिवृत्ति के पश्चात् भी बाद में किसी अन्य नीतिगत रियायत, नीति परिवर्तन, वित्तीय लाभ के लिए पश्चात्पूर्ती सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ किसी भी समानता इत्यादि की मांग के लिए पात्र नहीं होगा और दावा नहीं कर सकता है।
 12. एकीकृत पेंशन स्कीम के उपबंध, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों, जो एकीकृत पेंशन स्कीम के परिचालन की तिथि से पूर्व अधिवर्षिता प्राप्त कर चुके हैं, पर भी यथा आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे। ऐसे अधिवर्षिता प्राप्त कर्मचारियों को लोक भविष्य निधि दरों के अनुसार ब्याज सहित पिछली अवधि के लिए बकाये का भुगतान किया जाएगा। ऐसे अधिवर्षिता प्राप्त कर्मचारियों के लिए मासिक टॉप-अप राशि, जिसे पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जाना है, का भुगतान उनके द्वारा की गई निकासी और उन्हें भुगतान की गई वार्षिकी को समायोजित करने के पश्चात् किया जाएगा।
 13. अधिवर्षिता के समय अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना करने वाले या जहां सेवानिवृत्ति के पश्चात् अनुशासनात्मक कार्यवाहियां अपेक्षित हैं, ऐसे कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन स्कीम विकल्प के अधीन सुनिश्चित भुगतान से संबंधित उपबन्ध अलग से अधिसूचित किए जाएंगे।
 14. विभिन्न परिदृश्यों के अधीन एकीकृत पेंशन स्कीम के भुगतान कार्यकरण के रूप में व्याख्यात्मक उदाहरण **अनुबन्ध-1** में दिए गए हैं।
 15. एकीकृत पेंशन स्कीम की निधि का संचालन पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा बनाए गए विनियमों के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।
 16. एकीकृत पेंशन स्कीम (यूपीएस) के परिचालन की प्रभावी तिथि 1 अगस्त, 2025 होगी।

अनुबन्ध-I

(देखिए खण्ड 14)

I- स्वीकार्य मासिक सुनिश्चित भुगतान के व्याख्यात्मक उदाहरण

पूर्वानुमान के निम्नलिखित सेट के साथ विभिन्न परिदृश्यों के सेट पर विचार किया गया है, अर्थात्:

- किसी कर्मचारी की अधिवर्षिता से पूर्व बारह मास का औसत मूल वेतन 45,000 रुपए है (पी के रूप में चिह्नित)।
- कर्मचारी की पच्चीस वर्ष (300 मास) या उससे अधिक की अर्हक सेवा है (क्यू के रूप में चिह्नित)।
- कर्मचारी के सभी अंशदान नियमित रूप से जमा किए गए हैं और जमा में कोई चूक नहीं हुई है।
- कर्मचारी ने निवेश का 'डिफॉल्ट पैटर्न' चुना है।
- कर्मचारी ने कोई आंशिक निकासी नहीं की है।

परिदृश्य 1: कर्मचारी (i) से (v) तक सभी शर्तों को पूरा करता है।

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य 50,00,000/- रुपए (10,000 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित)।
- इस मामले में बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य भी 50,00,000/- रुपए (10,000 इकाई) होना चाहिए (बीसी के रूप में चिह्नित)।
- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$= \frac{\text{पी}}{2} \times \frac{\text{क्यू}}{300} \times \text{आईसी}$$

- यदि क्यू 300 से अधिक है, तो इसे 300 के रूप में लिया जाएगा।
- यदि (पी/2) × क्यू/300 10,000 से कम है, इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{300}{300} \right) \times \left(\frac{50,00,000}{50,00,000} \right) = ₹ 22,500 \text{ में लागू महंगाई राहत (डीआर) जोड़कर।}$$

नोट:- इस मामले में सुनिश्चित भुगतान पूर्ण सुनिश्चित भुगतान के बराबर होता है

परिदृश्य 2: कर्मचारी (i) और (iii) से (v) तक शर्तों को पूरा करता है। कर्मचारी की पन्द्रह वर्ष (180 मास) की अर्हक सेवा है।

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य 30,00,000/- रुपए (8,000 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित)।
- बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य 30,00,000/- रुपए (8,000 इकाई) होगा (बीसी के रूप में चिह्नित)।
- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$= \frac{\text{पी}}{2} \times \frac{\text{क्यू}}{300} \times \text{आईसी}$$

- यदि क्यू 300 में अधिक है, तो इसे 300 के रूप में लिया जाएगा।
- यदि (पी/2) × क्यू/300 10,000 से कम है, तो इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{180}{300} \right) \times \left(\frac{30,00,000}{30,00,000} \right) = ₹ 13,500 \text{ में लागू महंगाई राहत (डीआर) जोड़कर।}$$

परिदृश्य 3: कर्मचारी (i) और (iii) से (v) तक शर्तों को पूरा करता है। कर्मचारी की दस वर्ष (120 मास) की अर्हक सेवा है।

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य 25,00,000/- रुपए (10,000 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित)।
- बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य 25,00,000/- रुपए (10,000 इकाई) होगा (बीसी के रूप में चिह्नित)।
- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$= \frac{\text{पी}}{2} \times \frac{\text{क्यू}}{300} \times \frac{\text{आईसी}}{\text{बीसी}}$$

- (i) यदि क्यू 300 से अधिक है, तो इसे 300 माना जाएगा
(ii) यदि $(\text{पी}/2) \times \text{क्यू}/300$ 10,000 से कम है, तो इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{120}{300} \right) \times \left(\frac{25,00,000}{25,00,000} \right) = ₹ 9,000$$

जिसे 10,000/- रूपए के न्यूनतम सुनिश्चित भुगतान के साथ-साथ लागू महंगाई राहत (डीआर) तक बढ़ाया जाएगा, क्योंकि बेंचमार्क कॉर्पस का सम्पूर्ण मूल्य व्यक्तिगत कॉर्पस से पूल कॉर्पस में जमा किया गया है।

परिदृश्य 3 (क):—कर्मचारी (i), (iii) और (iv) शर्तों को पूरा करता है। कर्मचारी ने आंशिक निकासी की है। कर्मचारी की दस वर्ष (120 मास) की अर्हक सेवा है।

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य 22,00,000/- रूपए (8,800 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित)।
- बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य 25,00,000/- रूपए (10,000 इकाई) होगा (बीसी के रूप में चिह्नित)।
- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$= \frac{\text{पी}}{2} \times \frac{\text{क्यू}}{300} \times \frac{\text{आईसी}}{\text{बीसी}}$$

- (i) यदि क्यू 300 से अधिक है, तो इसे 300 माना जाएगा।
(ii) यदि $(\text{पी}/2) \times \text{क्यू}/300$ 10,000 से कम है, तो इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{120}{300} \right) \times \left(\frac{22,00,000}{25,00,000} \right) = ₹ 8,800$$

इस मामले में पेंशन 8800/- रूपए के साथ लागू महंगाई राहत (डीआर) होगी, क्योंकि व्यक्तिगत कॉर्पस से सम्पूर्ण कॉर्पस में पूर्ण कॉर्पस जमा नहीं किया गया है।

परिदृश्य 4: कर्मचारी (i), (ii), (iv) और (v) शर्तों को पूरा करता है। कर्मचारी के सभी अंशदान नियमित रूप से जमा नहीं किए गए हैं और जमा में कुछ चूक शामिल है, जिन्हें कर्मचारी द्वारा ठीक/व्यवस्थित नहीं किया गया है।

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कोष का मूल्य 45,00,000/- रूपए (9,000 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित)।
- बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य 50,00,000/- रूपए (10,000 इकाई) है (बीसी के रूप में चिह्नित)। जमा में हुई चूक के लिए औसत अंशदान को ध्यान में रखते हुए बेंचमार्क कॉर्पस तैयार किया गया है।
- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$= \frac{\text{पी}}{2} \times \frac{\text{क्यू}}{300} \times \frac{\text{आईसी}}{\text{बीसी}}$$

- (i) यदि क्यू 300 से अधिक है, तो इसे 300 माना जाएगा
(ii) यदि $(\text{पी}/2) \times \text{क्यू}/300$ 10,000 से कम है, तो इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{300}{300} \right) \times \left(\frac{45,00,000}{50,00,000} \right) = ₹ 20,250 \text{ में लागू महंगाई राहत (डीआर) जोड़कर।}$$

परिदृश्य 5: कर्मचारी (i) से (iv) तक शर्तों को पूरा करता है। कर्मचारी ने आंशिक निकासी की, बेंचमार्क कॉर्पस की तुलना में जिसका मूल्य सेवानिवृत्ति से पहले कर्मचारी द्वारा वापिस नहीं किया गया है।

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य 40,00,000/- रूपए (8,000 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित)।
- बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य 50,00,000/- रूपए (10,000 इकाई) है (बीसी के रूप में चिह्नित)। कोई आंशिक निकासी नहीं होने पर विचार करते हुए बेंचमार्क कॉर्पस तैयार किया जाएगा।

- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$\begin{array}{ccc} \text{पी} & \text{क्यू} & \text{आईसी} \\ = & \left(\frac{\text{---}}{2}\right) \times \left(\frac{\text{---}}{300}\right) \times \left(\frac{\text{---}}{\text{बीसी}}\right) \end{array}$$

- (i) यदि क्यू 300 से अधिक है, तो इसे 300 माना जाएगा
(ii) यदि $(\text{पी}/2) \times \text{क्यू}/300$ 10,000 से कम है, तो इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2}\right) \times \left(\frac{300}{300}\right) \times \left(\frac{40,00,000}{50,00,000}\right) = \text{₹}18,000 \text{ में लागू महंगाई राहत (डीआर) जोड़कर।}$$

परिदृश्य 6: कर्मचारी (i), (ii), (iii) और (v) शर्तों को पूरा करता है। कर्मचारी ने व्यक्तिगत कॉर्पस में निवेश विकल्पों का विकल्प चुना है और व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य बेंचमार्क कॉर्पस से अधिक है

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य 55,00,000/- रूपए (11,000 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित)।
- बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य 50,00,000/- रूपए (10,000 इकाई) है (बीसी के रूप में चिह्नित)। निवेश के 'डिफॉल्ट पैटर्न' के आधार पर बेंचमार्क कॉर्पस तैयार किया गया है।
- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$\begin{array}{ccc} \text{पी} & \text{क्यू} & \text{आईसी} \\ = & \left(\frac{\text{---}}{2}\right) \times \left(\frac{\text{---}}{300}\right) \times \left(\frac{\text{---}}{\text{बीसी}}\right) \end{array}$$

- (i) यदि क्यू 300 से अधिक है, तो इसे 300 माना जाएगा
(ii) यदि $(\text{पी}/2) \times \text{क्यू}/300$ 10,000 से कम है, तो इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2}\right) \times \left(\frac{300}{300}\right) \times \left(\frac{50,00,000}{50,00,000}\right) = \text{₹} 22,500 \text{ में लागू महंगाई राहत (डीआर) जोड़कर।}$$

इस मामले में, कर्मचारी को सेवानिवृत्ति पर अपने नामित बैंक खाते में बेंचमार्क कॉर्पस (अर्थात् 5,00,000 रूपए) की तुलना में व्यक्तिगत कॉर्पस का अतिरिक्त मूल्य मिलेगा।

परिदृश्य 7: कर्मचारी (i), (ii), (iii) और (v) शर्तों को पूरा करता है। कर्मचारी ने व्यक्तिगत कॉर्पस में निवेश विकल्पों का विकल्प चुना है और व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य बेंचमार्क कॉर्पस से कम है।

(क) यदि कर्मचारी व्यक्तिगत कॉर्पस की भरपाई नहीं करता है:

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य 45,00,000/- रूपए (9,000 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित): चूंकि कर्मचारी द्वारा प्रयोग किए गए निवेश विकल्पों के कारण, कर्मचारी ने बेंचमार्क कॉर्पस की तुलना में व्यक्तिगत कॉर्पस के मूल्य की भरपाई नहीं की।
- बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य 50,00,000/- रूपए (10,000 इकाई) है (बीसी के रूप में चिह्नित)। निवेश के 'डिफॉल्ट पैटर्न' के आधार पर बेंचमार्क कॉर्पस तैयार किया गया है।
- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$\begin{array}{ccc} \text{पी} & \text{क्यू} & \text{आईसी} \\ = & \left(\frac{\text{---}}{2}\right) \times \left(\frac{\text{---}}{300}\right) \times \left(\frac{\text{---}}{\text{बीसी}}\right) \end{array}$$

- (i) यदि क्यू 300 से अधिक है, तो इसे 300 माना जाएगा
(ii) यदि $(\text{पी}/2) \times \text{क्यू}/300$ 10,000 से कम है, तो इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2}\right) \times \left(\frac{300}{300}\right) \times \left(\frac{45,00,000}{50,00,000}\right) = \text{₹} 20,250 \text{ में लागू महंगाई राहत (डीआर) जोड़कर।}$$

(ख) यदि कर्मचारी आंशिक रूप से व्यक्तिगत कॉर्पस भरपाई करता है:

- सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी के व्यक्तिगत कॉर्पस का मूल्य 45,00,000/- रूपए (9,000 इकाई) है (आईसी के रूप में चिह्नित): कर्मचारी ने आंशिक रूप से व्यक्तिगत कॉर्पस में 2,50,000/- रूपए तक भरपाई की, इसलिए कॉर्पस अब 47,50,000/- रूपए (9,500 इकाई) है।

- बेंचमार्क कॉर्पस का मूल्य 50,00,000/- रूपए (10,000 इकाई) है (बीसी के रूप में चिह्नित)। निवेश के 'डिफॉल्ट पैटर्न' के आधार पर बेंचमार्क कॉर्पस तैयार किया गया है।

- कर्मचारी का सुनिश्चित भुगतान इस शर्त के साथ होगा कि

$$= \frac{\text{पी}}{2} \times \frac{\text{क्यू}}{300} \times \frac{\text{आईसी}}{\text{बीसी}}$$

- (i) यदि क्यू 300 से अधिक है, तो इसे 300 माना जाएगा

- (ii) यदि $(\text{पी}/2) \times \text{क्यू}/300$ 10,000 से कम है, तो इसे 10,000 के रूप में लिया जाएगा।

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{300}{300} \right) \times \left(\frac{47,50,000}{50,00,000} \right) = ₹ 21,375 \text{ में लागू महंगाई राहत (डीआर) जोड़कर।}$$

- II. अधिवर्षिता या हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 के नियम 144 के अधीन सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त भुगतान के व्याख्यात्मक उदाहरण सेवानिवृत्ति के समय मूल वेतन और महंगाई भत्ता निम्नानुसार माना गया है:

हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 के नियम 143 के अधीन अधिवर्षिता या नियम ₹ 45,000
144 के अधीन सेवानिवृत्ति की तिथि के अनुसार मूल वेतन

उस पर महंगाई भत्ता / 53%

₹ 23,850

कुल परिलब्धियां

₹ 68,850

$$\text{एकमुश्त राशि} = \left(\frac{1}{10} \times 68,850 \right) \times \text{एल} = 6,885 \times \text{एल}$$

जहां एल = व्यक्ति की पेंशन कॉर्पस में अंशदान के लिए, मासों की संख्या के आधार पर सेवा के छह-मासिक पूर्ण वर्षों की संख्या

अर्हक सेवा की अवधि के आधार पर एकमुश्त राशि:

परिलब्धियों का 1/10 (₹)	अर्हक सेवा की अवधि (अंशदान के मासों की संख्या) एल	पूर्ण 6 मासों की संख्या	एकमुश्त राशि (₹)
6,885	10 वर्ष (120 मास)	20	1,37,700
	15 वर्ष (180 मास)	30	2,06,550
	20 वर्ष (240 मास)	40	2,75,400
	25 वर्ष (300 मास)	50	3,44,250
	30 वर्ष (360 मास)	60	4,13,100
	35 वर्ष (420 मास)	70	4,81,950

टिप्पण: कोई एकमुश्त राशि देय नहीं होगी, यदि सेवा की अवधि दस वर्ष (120 मास से कम अंशदान) से कम है, क्योंकि ऐसे मामले में एकीकृत पेंशन स्कीम लागू नहीं है।

अनुलग्नक-II

(देखिए खंड 4)

एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस)- अभिदाता अंतरण प्ररूप-सरकारी क्षेत्र

वर्तमान में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अभिदत्त पात्र राज्य सरकार के कर्मचारी द्वारा एकीकृत पेंशन स्कीम (यूपीएस) के अधीन आने हेतु विकल्प का प्रयोग
प्रोटेन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (पूर्व में एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड)

मैं..... पुत्र/पुत्री श्री/श्रीमती.....दिनांक से स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (पीआरएएन)के साथ राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) का अभिदाता होते हुए राज्य सरकार की अधिसूचना संख्यादिनांकद्वारा यथा अधिसूचित एकीकृत पेंशन स्कीम (यूपीएस) के उपबन्धों को पढ़ लिया है और पूर्ण रूप से समझ लिया है और एकीकृत पेंशन स्कीम के लिए विकल्प का पात्र होते हुए, इसके द्वारा, एकीकृत पेंशन स्कीम के अधीन आने हेतु विकल्प का प्रयोग करता/करती हूँ।

आगे, मैं, इसके द्वारा, अभिस्वीकृति देता हूँ / देती हूँ कि मेरे द्वारा प्रयोग किया गया यह विकल्प अंतिम तथा अपरिवर्तनीय होगा।

मैं, केन्द्रीय विनियामक प्राधिकरण, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली विन्यास अथवा एकीकृत पेंशन स्कीम से संबंधित अन्य किसी संस्था को उसके अधीन अधिसूचित सुसंगत विनियमों द्वारा विनियमित उक्त स्कीम के प्रयोजन हेतु मेरी आवश्यक व्यक्तिगत सूचना का डेटा / ब्यौरा एकत्र करने और साझा करने के लिए अधिकृत करता/करती हूँ।

तिथि

स्थान

आवेदक के हस्ताक्षर /अंगूठे का निशान
(पुरुषों के मामले में बाएं अंगूठे का निशान और महिलाओं के मामले में दाएं अंगूठे का निशान लगाया जाना है
हाथ न होने की स्थिति में पैर के अंगूठे का निशान)

(सेवा रिकार्ड के आधार पर आहरण एवं संचितरण अधिकारी द्वारा भरा एवं प्रमाणित किया जाना है)

नियोजन ब्यौरे (एकीकृत पेंशन स्कीम विकल्प का प्रयोग करते समय)	
कर्मचारी कोड / पहचान	
अर्हक सेवा प्रारंभ करने की तिथि	
चालू मास का मूल वेतन	
गैर-व्यवसाय भत्ता (एनपीए), यदि लागू हो	
अगली वेतन वृद्धि की निर्धारित तिथि	

आहरण एवं संचितरण अधिकारी
के हस्ताक्षर और नाम

वेतन और लेखा अधिकारी
के हस्ताक्षर और नाम

आहरण एवं संचितरण अधिकारी
की पंजीकरण संख्या.....
तिथि
स्थान

वेतन और लेखा अधिकारी
की पंजीकरण संख्या.....
तिथि
स्थान

टिप्पण / निर्देश:

- इस प्ररूप की विधिवत् हस्ताक्षरित प्रति आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा कर्मचारी के सेवा रिकार्ड में रखी जाएगी तथा इसकी एक प्रति कर्मचारी को उसके रिकार्ड के लिए उपलब्ध, करवाई जाएगी।
- आहरण एवं संवितरण अधिकारी, कार्यालय प्रमुख द्वारा सत्यापित आंकड़ों को केंद्रीय अभिलेख प्रणाली में इनपुट करेगा और अभिदाता द्वारा भौतिक रूप से प्रस्तुत करने की स्थिति में आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा इस विधिवत् हस्ताक्षरित विकल्प प्ररूप की एक प्रति अपलोड की जाएगी। वेतन और लेखा अधिकारी, अभिदाता द्वारा केंद्रीय विनियामक प्राधिकरण प्रणाली में उनके लॉगिन के माध्यम से प्रयोग किए गए विकल्प को अधिकृत और अनुमोदित करेगा।

अनुराग रस्तोगी,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
वित्त विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

FINANCE DEPARTMENT

Notification

The 2nd July, 2025

No. 1/23/2024-1Pension.— In exercise of the power conferred under the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby allows the benefit of Unified Pension Scheme (UPS), as an option under the National Pension System (NPS) to the employees of the Government of Haryana, who are covered under the National Pension System, as per Notification No. 1/1/2004-1Pension dated 28.10.2005 and dated 18.08.2008 namely:-

2. The Unified Pension Scheme shall be applicable to such Government of Haryana employees who are covered under National Pension System and who choose this option under National Pension System. It will have the following features, namely:

Eligibility under the Scheme

- (i) Assured Payout shall be available only in the following cases, namely: -
 - (a) in case of an employee superannuating after qualifying service of ten years, from the date of superannuation;
 - (b) in case of the Haryana Government retiring an employee under the provisions of Rule 144 of the Haryana Civil Services (General) Rules, 2016 from the date of such retirement; and
- (ii) Assured Payout shall not be available in case of removal or dismissal from service or resignation of the employee. In such cases, the Unified Pension Scheme option shall not apply.

Benefits under the Scheme

- (iii) Subject to other conditions stated in this notification, Assured Payout under the scheme shall be as follows, namely: -
 - (a) the rate of full assured payout will be @50% of twelve monthly average basic pay, immediately prior to superannuation. Full assured payout is payable after a minimum twenty five years of qualifying service;
 - (b) in case of lesser qualifying service period, proportionate payout would be admissible;
 - (c) a minimum guaranteed payout of Rs. 10,000 per month shall be assured in case superannuation is after ten years or more of qualifying service; and
- (iv) In case of death of the payout holder after superannuation, family payout @60% of the payout admissible to the payout holder, immediately before his demise, will be assured to the legally wedded spouse (spouse legally wedded as on the date of superannuation or retirement under Rule 144 of the Haryana Civil Services (General) Rules, 2016, as may be applicable).

- (v) Dearness Relief will be available on the assured payout and family payout, as the case may be. The Dearness Relief will be worked out in the same manner as Dearness Allowance applicable to serving employees. Dearness Relief will be payable only when payout commences.
- (vi) A lump sum payment will be allowed on superannuation @10% of monthly emoluments (Basic pay + Dearness Allowance) for every completed six months of qualifying service. This lump sum payment will not affect the quantum of assured payout.
- (vii) The corpus under the Unified Pension Scheme option will comprise of two funds, namely:-
 - (a) An individual corpus with employee contribution and matching Government of Haryana contribution; and
 - (b) A pool corpus with additional Government of Haryana contribution.
- (viii) The contribution of employees will be 10% of (Basic pay + Dearness Allowance). The matching Government of Haryana contribution will also be 10% of (Basic pay + Dearness Allowance). Both will be credited to each employee's individual corpus.
- (ix) The Government of Haryana shall provide an additional contribution of an estimated 8.5% of (basic pay + Dearness Allowance) of all employees who have chosen the Unified Pension Scheme option, to the pool corpus on an aggregate basis. The additional contribution is for supporting assured payouts under the Unified Pension Scheme option.
- (x) The employee can exercise investment choices for the individual corpus alone. Such investment choices shall be regulated by the Pension Fund Regulatory and Development Authority. A 'default pattern' of investment may be defined by Pension Fund Regulatory and Development Authority from time to time. If an employee does not exercise an investment choice on individual corpus, the 'default pattern' of investment will apply.
- (xi) The investment decisions for the pool corpus built through the additional Government of Haryana contribution will solely rest with Government of Haryana.
- (xii) In respect of employees who have retired before the date of operation of Unified Pension Scheme and who opt for the Unified Pension Scheme option, Pension Fund Regulatory and Development Authority will determine the mechanism for making available the top- up amount.

Explanation: For the purpose of this notification basic pay includes non-practicing allowance granted to medical officer in lieu of private practice.

3. The existing Government of Haryana Employees under National Pension System, on the effective date of operationalisation of the Unified Pension Scheme option, as well as the future employees of Government of Haryana can choose to either take the Unified Pension Scheme option under the National Pension System or continue with the National Pension System without the Unified Pension Scheme option. In case an employee chooses the Unified Pension Scheme option, all its stipulations and conditions shall be deemed to have been opted for and such option once exercised, shall be final.
4. Once an employee covered under National Pension System, who is in service on the effective date of operationalisation of the Unified Pension Scheme option, exercises the Unified Pension Scheme option as per **Annexure-II**, the outstanding National Pension System corpus in the employees Permanent Retirement Account Number shall be transferred to the employee's individual corpus under the Unified Pension Scheme.
5. For each employee covered under National Pension System who has exercised the Unified Pension Scheme option, a 'benchmark corpus' value shall be computed, in such manner as may be determined by the Pension Fund Regulatory and Development Authority, with the following assumptions, namely: -
 - (i) regular receipt of applicable contributions for both the employees and the employer for each month of qualifying service;
 - (ii) in case of missing contributions, an appropriate value, to be determined by the Pension Fund Regulatory and Development Authority, shall be assigned; and
 - (iii) investment of such contributions is made as per the 'default pattern' of investment, as defined by the Pension Fund Regulatory and Development Authority.

6. The value or units in the individual corpus with investment choices of the employee shall be informed to such employee on a periodic basis. Alongside, the value or units of the benchmark corpus corresponding to the employee, computed as per para 5 above will also be informed to the employee.
7. At superannuation or retirement, the qualifying service of the employee under the Unified Pension Scheme option, will be determined by the Head of Office, where he is employed.
8. At superannuation or retirement, the employee under Unified Pension Scheme shall authorise transfer of the value or units in the individual corpus to the pool corpus, equivalent to the value or units of the benchmark corpus for authorisation of Assured Payout. In case the value or units of individual corpus is less than value or units of the benchmark corpus, the employee will have an option to arrange for additional contribution to meet this gap. In case the value or units of individual corpus is more than the value or units of the benchmark corpus, the employee shall authorise transfer of value or units equivalent to the benchmark corpus and the balance amount in the individual corpus will be credited to the employee.
9. In case the values or units transferred by the employee from the individual corpus to the pool corpus, is less than the value or units of the benchmark corpus, payout proportionate to the assured payout shall be authorised.
10. The Unified Pension Scheme, being a 'fund-based' pension system, relies on the regular and timely accumulation and investment of applicable contributions (from both the employee and the employer) for Assured Payout to the employees.
11. For the sake of clarity, it is made clear that any employee who has exercised the Unified Pension Scheme option under National Pension System under this notification, shall not be entitled for and cannot claim, any other policy concession, policy change, financial benefit, any parity with subsequent retirees etc. later including post-retirement.
12. The provisions of Unified Pension Scheme will also be applicable, *mutatis mutandis* to past retirees of National Pension System, who have superannuated before the date of operationalising of Unified Pension Scheme. Such superannuated employees will be paid arrears for the past period along with interest as per Public Provident Fund rates. The monthly top-up amount for such superannuated employees, to be determined by the Pension Fund Regulatory and Development Authority, will be paid after adjusting the withdrawals made by, and annuities paid to, them.
13. The provisions regarding assured payout under the Unified Pension Scheme option for employees facing disciplinary proceedings at the time of superannuation or where disciplinary proceedings are contemplated post-retirement, shall be separately notified.
14. Illustrative examples as to working of payouts of Unified Pension Scheme under different scenarios are given in the **Annexure-I**.
15. The fund of the Unified Pension Scheme shall be operated as per provisions of regulations made by Pension Fund Regulatory and Development Authority.
16. The effective date for operationalisation of the Unified Pension Scheme shall be 1st August 2025.

Annexure-I*(see clause 14)***A. Illustrative Examples of Admissible Monthly Assured Payout**

A set of different scenarios have been considered with the following set of assumptions, namely:-

- (i) The 12 monthly average basic pay before superannuation of an employee is Rs 45,000 (denoted as P).
- (ii) The employee has a qualifying service of 25 years (300 months) or more (denoted as Q).
- (iii) All contributions of the employee have been credited regularly and there are no missing credits.
- (iv) The employee has opted for 'default pattern' of investment.
- (v) The employee did not make any partial withdrawals

Scenario 1: The employee fulfils all conditions (i) to (v).

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs. 50,00,000 (10,000 units) (denoted as IC).
- The value of the benchmark corpus in this case should also be Rs. 50,00,000 (10,000 units) (denoted as BC).
- The assured payout of the employee will be

$$= \left(\frac{P}{2}\right) \times \left(\frac{Q}{300}\right) \times \left(\frac{IC}{BC}\right)$$
 with the condition that;

- (i) If Q exceeds 300, it will be taken as 300.
- (ii) If $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2}\right) \times \left(\frac{300}{300}\right) \times \left(\frac{50,00,000}{50,00,000}\right) = \text{Rs. 22,500 plus applicable Dearness Relief (DR).}$$

NOTE:- In this case assured payout equals full assured payout.

Scenario 2: The employee fulfils the conditions (i) and (iii) to (v). The employee has a qualifying service of 15 years (180 months).

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs. 30,00,000 (8,000 units) (denoted as IC).
- The value of the benchmark corpus will be Rs. 30,00,000 (8,000 units) (denoted as BC).
- The assured payout of the employee will be

$$= \left(\frac{P}{2}\right) \times \left(\frac{Q}{300}\right) \times \left(\frac{IC}{BC}\right)$$
 with the condition that

- (i) If Q exceeds 300, it will be taken as 300.
- (ii) If $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2}\right) \times \left(\frac{180}{300}\right) \times \left(\frac{30,00,000}{30,00,000}\right) = \text{Rs. 13,500 plus applicable Dearness Relief (DR).}$$

Scenario 3: The employee fulfils the conditions (i) and (iii) to (v). The employee has a qualifying service of 10 years (120 months).

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs. 25,00,000 (10,000 units) (denoted as IC).
- The value of the benchmark corpus will be Rs. 25,00,000 (10,000 units) (denoted as BC).
- The assured payout of the employee will be

$$= \left(\frac{P}{2}\right) \times \left(\frac{Q}{300}\right) \times \left(\frac{IC}{BC}\right)$$
 with the condition that;

- (i) If Q exceeds 300, it will be taken as 300
- (ii) If $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2}\right) \times \left(\frac{120}{300}\right) \times \left(\frac{25,00,000}{25,00,000}\right) = \text{Rs. 9,000}$$

which will be raised to the minimum assured payout of Rs.10,000 plus applicable Dearness Relief (DR), as the full value of the bench mark corpus has been deposited from the individual corpus to the pool corpus.

Scenario 3(a): The employee fulfils the conditions (i), (iii) and (iv). The employee made partial withdrawals. The employee has a qualifying service of 10 years (120 months).

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs. 22,00,000 (8,800 units) (denoted as IC).
- The value of the benchmark corpus will be Rs. 25,00,000 (10,000 units) (denoted as BC).
- The assured payout of the employee will be

$$= \left(\frac{P}{2} \right) \times \left(\frac{Q}{300} \right) \times \left(\frac{IC}{BC} \right) \text{ with the condition that;}$$

- If Q exceeds 300, it will be taken as 300
- If $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{120}{300} \right) \times \left(\frac{22,00,000}{25,00,000} \right) = \text{Rs. 8,800}$$

In this case assured payout will be Rs. 8800 plus applicable Dearness Relief (DR), as full corpus has not been deposited from the individual corpus to the pool corpus.

Scenario 4: The employee fulfils the conditions (i), (ii), (iv) and (v). All contributions of the employee have not been credited regularly and there are some missing credits which has not been made good/arranged to be made good by the employee.

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs. 45,00,000 (9,000 units) (denoted as IC).
- The value of the benchmark corpus is Rs 50,00,000 (10,000 units) (denoted as BC). The benchmark corpus has been worked out considering an average contribution for the missing credits.
- The assured payout of the employee will be

$$\left(\frac{P}{2} \right) \times \left(\frac{Q}{300} \right) \times \left(\frac{IC}{BC} \right) \text{ with the condition that;}$$

- If Q exceeds 300, it will be taken as 300.
- If $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{300}{300} \right) \times \left(\frac{45,00,000}{50,00,000} \right) = \text{Rs. 20,250 plus applicable Dearness Relief (DR).}$$

Scenario 5: The employee fulfils the conditions (i) to (iv). The employee made partial withdrawals, the value of which, vis-à-vis the benchmark corpus, has not been recouped by the employee before retirement.

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs. 40,00,000 (8,000 units) (denoted as IC).
- The value of the benchmark corpus is Rs 50,00,000 (10,000 units) (denoted as BC). The benchmark corpus will be worked out considering no partial withdrawals.
- The assured payout of the employee will be

$$\left(\frac{P}{2} \right) \times \left(\frac{Q}{300} \right) \times \left(\frac{IC}{BC} \right) \text{ with the condition that;}$$

- if Q exceeds 300, it will be taken as 300.
- if $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{300}{300} \right) \times \left(\frac{40,00,000}{50,00,000} \right) = \text{Rs. 18,000 plus applicable Dearness Relief (DR)}$$

Scenario 6: The employee fulfils the conditions (i), (ii), (iii) and (v). The employee opted for investment choices in the individual corpus and the value of the individual corpus is higher than benchmark corpus

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs. 55,00,000 (11,000 units) (denoted as IC).
- The value of the benchmark corpus is Rs 50,00,000 (10,000 units) (denoted as BC). The benchmark corpus has been worked out based on 'default pattern' of investment.
- The assured payout of the employee will be

$$\left(\frac{P}{2} \right) \times \left(\frac{Q}{300} \right) \times \left(\frac{IC}{BC} \right) \text{ with the condition that;}$$

- If Q exceeds 300, it will be taken as 300.
- If $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2} \right) \times \left(\frac{300}{300} \right) \times \left(\frac{55,00,000}{50,00,000} \right) = \text{Rs. 22,500 plus applicable Dearness Relief (DR)}$$

In this case, the employee will get a credit of the excess value of individual corpus vis-à-vis benchmark corpus (i.e. Rs. 5,00,000) in his designated bank account at retirement.

Scenario 7: The employee fulfils the conditions (i), (ii), (iii) and (v). The employee opted for investment choices in the individual corpus and the value of the individual corpus is lower than benchmark corpus.

(a) **If the employee does not recoup the individual corpus:**

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs. 45,00,000 (9,000 units) (denoted as IC); as the employee did not recoup the value of the individual corpus vis-à-vis the benchmark corpus, owing to the investment choices exercised by the employee.
- The value of the benchmark corpus is Rs. 50,00,000 (10,000 units) (denoted as BC). The benchmark corpus has been worked out based on 'default pattern' of investment.
- The assured payout of the employee will be

$$\left(\frac{P}{2}\right) \times \left(\frac{Q}{300}\right) \times \left(\frac{IC}{BC}\right) \text{ with the condition that;}$$

(i) If Q exceeds 300, it will be taken as 300

(ii) If $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2}\right) \times \left(\frac{300}{300}\right) \times \left(\frac{45,00,000}{50,00,000}\right) = \text{Rs. 20,250 plus applicable Dearness Relief (DR)}$$

(b) **If the employee partially recoups the individual corpus:**

- The value of the individual corpus of the employee at retirement is Rs 45,00,000 (9,000 units) (denoted as IC); the employee recouped partially the individual corpus by Rs. 2,50,000, so the corpus now stands at Rs. 47,50,000 (9,500 Units).
- The value of the benchmark corpus is Rs. 50,00,000 (10,000 units) (denoted as BC). The benchmark corpus has been worked out based on 'default pattern' of investment.
- The assured payout of the employee will be

$$\left(\frac{P}{2}\right) \times \left(\frac{Q}{300}\right) \times \left(\frac{IC}{BC}\right) \text{ with the condition that;}$$

(i) If Q exceeds 300, it will be taken as 300

(ii) If $(P/2) \times Q/300$ is less than 10,000, it will be taken as 10,000.

$$= \left(\frac{45,000}{2}\right) \times \left(\frac{300}{300}\right) \times \left(\frac{47,50,000}{50,00,000}\right) = \text{Rs. 21,375 plus applicable Dearness Relief (DR)}$$

B. Illustrative examples of Lump Sum Payment on superannuation or retirement under Rule 144 of Haryana Civil Services (General) Rules, 2016

The Basic Pay at the time of retirement and Dearness Allowance have been assumed as under:

Basic pay as on the date of superannuation or retirement under Rule 144 of Haryana Civil Services (General) Rules, 2016	Rs. 45,000
Dearness Allowance thereon @ 53%	Rs. 23,850
Total emoluments	Rs. 68,850

$$\text{Lump sum amount} = \left(\frac{1}{10}\right) \times 68,850 \times L = 6,885 \times L$$

Where **L** is = number of six-monthly completed year of service based on the number of months for contribution to individual's pension corpus

Amount of Lump Sum, depending upon the length of qualifying service:

1/10 of emoluments (Rs.)	Length of qualifying service (number of months of contribution) L	Number of completed 6 months	Amount of Lump sum (Rs.)
6,885	10years (120 months)	20	1,37,700
	15years (180 months)	30	2,06,550
	20years (240 months)	40	2,75,400
	25years (300 months)	50	3,44,250
	30years (360 months)	60	4,13,100
	35years (420 months)	70	4,81,950

NOTE: No lump sum will be payable, if the service length is less than 10 years (less than 120 months of contribution), as Unified Pension Scheme is not applicable in such a case.

Annexure-II

(see clause 4)

UNIFIED PENSION SCHEME (UPS)–SUBSCRIBER MIGRATION FORM-Government Sector

Exercise of Option by an eligible State Government employee presently subscribed to National Pension System (NPS) for being covered under Unified Pension Scheme (UPS)

Protean e-Gov Technologies Limited (formerly NSDL e-Governance Infrastructure Ltd.)

I, _____ Son/Daughter of Mr./Mrs. _____ being a Subscriber of NPS as on _____ with permanent retirement account number (PRAN) _____ having read and fully understood the provisions of Unified Pension Scheme (UPS) as notified by State Government vide notification No. _____ dated _____ and being eligible to opt for Unified Pension Scheme, do hereby exercise the option to be covered under Unified Pension Scheme (UPS).

Further, I hereby acknowledge that this option exercised by me shall be final and irrevocable.

I authorize the CRA, NPS Trust or any other entity connected with UPS to collect and share data / details of my necessary personal information for the purpose of the said scheme regulated by the relevant regulations notified there under.

Date: _____

Place : _____

Signature/Thumb Impression*of Applicant

(*LTI in case of males and RTI in case of females to be provided.

Toe impression in case no hands)

(To be filled and certified by the DDO based on Service records)

Employment Details (At the time of exercise of UPS option)									
Employee Code/ID									
Date of commencement of qualifying service	D	D	M	M	Y	Y	Y	Y	
Current Month Basic Pay									
Non-Practicing Allowance (NPA), if applicable									
Schedule date for next increment	D	D	M	M	Y	Y	Y	Y	

Signature & Name of DDO _____

DDO Reg. No. _____

Date :

Place :

Signature & Name of PAO _____

PAO Reg. No. _____

Date :

Place :

Note/Instruction:

- The duly signed copy of this Form shall be kept DDO in employee's service record and a copy of the same shall be provided to the employee for his record.
- DDO shall input the Head of Office verified data in the Central Record Keeping System and in case of physical submission of form by the subscriber, the DDO shall upload a copy of this duly signed option form. PAO shall authorize and approve the option exercised by the subscriber in the CRA system through their login.

ANURAG RASTOGI,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Finance Department.